Media summit

The School of Journalism and Mass Communication, Apeejay Stya University (ASU), Gurgaon, is going to organise the Annual Media Festival: Celebration and Reflection in the university's campus from February 8 to 13, 2016. The six-day festival, which will comprise celebration and reflection of the media industry, will not only act as a platform for intellectual discourse of India's top media professionals, but will also consist of interesting talks, panel discussions, workshops, quizzes and performances.

The eminent media persons who will deliver lectures and be the part of panel discussions include Jawahar Sircar, CEO, Prasar Bharati; Amit Baruah, resident editor, The Hindu; Paranjoy Guha Thakurta, renowned journalist, political commentator, author and a documentary filmmaker; Seema Chisti, deputy editor, Indian Express; Ashok Ogra, director, Apeejay Institute of Mass Communication; Jayshree Bajoria, South-Asia researcher, Human Rights Watch; Tapan Sen, chief programme officer, Radio Mirchi; Rajesh Joshi, editor, BBC Radio (Hindi) etc. There will be photo exhibition and photography workshop by Aditya Arya, screening of *It's okay to be Gay*, a documentary film and a street play by NGO, Jagori. The event is open to all.

मीडिया का समाज में है अहम रोल: परनजॉय

नेशनल दुनिया

महोत्सव

- छह दिवसीय महोत्सव में कई मुद्दों पर चर्चा
- प्रतिस्पर्धा के कारण गुणवता में कमी आई

गुड़गांव। सोहना स्थित एपीजे सत्या विश्वविद्यालय के वार्षिक मीडिया महोत्सव 'पत्रकारिता और जनसंचार' के स्कूल के छात्रों द्वारा आयोजित किया गया। छह दिवसीय इस महोत्सव में समसामयिक बहस इन्ट्रैक्टिव पैनल चर्चा, फोटो प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, क्विज और फिल्म प्रदर्शन शामिल रहे।

पैनल चर्चा में 'ब्लेम इट ऑन दि मीडिया' पर बोलते हुए वरिष्ठ पत्रकार परनजॉय गुहा ठाकुरता ने कहा कि मीडिया को चाहे कोई पसंद करे या ना करे, कोई प्यार करे या ना करे, लेकिन मीडिया सबके साथ रहता है। मीडिया का समाज में अहम योगदान है।

उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया संगठनों के बीच तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण प्रकाशित और प्रसारित समाचारों की गुणवत्ता में कमी आई है। दूरसंचार माध्यम के मोह भंग पर मीडिया रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन कॉमन कॉज के निदेशक डॉ विपुल मुद्गल ने कहा कि मीडिया कुछ दिनों के लिए ग्रामीण भारत को भूल गया था। छह अखबारों के सर्वेक्षण के आंकड़ों पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण भारत के खबर को अखबारों में सिर्फ दो प्रतिशत स्थान ही मिलते हैं।

उस दो प्रतिशत स्थान में 36 प्रतिशत हिंसा (आपदा, घरेलू संघर्ष) आदि से सम्बंधित समाचार होते हैं। प्रसार भारती के सीईओ जवाहर सरकार ने एक पैनल डिस्कसन में ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन की अहमियत दर्शाते हुए कहा कि कई मीडिया संगठनों की मौजूदगी के बावजूद ज्यादातर राष्ट्रीय समाचार एक ही तरह के खबर प्रस्तुत करते हैं।

कई बार भारत की सांस्कृतिक और क्षत्रिय विविधता को प्रतिबिंबित करने में विफल होते हैं। जबकि इस कमी को प्रसार भारती के अन्तर्गत ऑल इण्डिया रेडियो और दूरदर्शन पूरा करते हैं।

MEDIA FEST (APEEJAY STYA UNIVERSITY)

Seasoned editors, broadcasters, photographers and media researchers discussed contemporary issues related to media and mass communication at the Apeejay Stya University's 'Annual Media Festival: Celebration and Reflection', organised by its School of Journalism and Mass Communication on its campus in Sohna. The six-day festival was a platform for lively debates, interactive panel discussions, film shows, photo exhibition, workshops, quizzes and performances. Students from various universities and institutions from Delhi-NCR also attended the Media Festival and made it into a grand affair.